ENTRANCE EXAMINATION, 2014

M.Phil./Ph.D. HINDI

[Field of Study Code : HNDP (127)]

Time Allowed : 3 hours *Maximum Marks* : 70

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अन्तिम प्रश्न अनिवार्य है।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं

1. हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास-ग्रंथों का उल्लेख करते हुए 'हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास' की विशेषताएँ बताइए।

2. 'पदावली' के पदों के आधार पर विद्यापति की सौन्दर्यानुभूति का विवेचन कीजिए।

3. ''प्रेमदशा के भीतर की न जाने कितनी मनोवृत्तियों की व्यंजना गोपियों के वचनों द्वारा होती है।'' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इस कथन के आधार पर सूरदास के भ्रमरगीत प्रसंग में अभिव्यक्त गोपियों की मनोवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

4. रीतिबद्ध कविता की विशेषताओं का उदाहरण देकर विवेचन कीजिए।

5. ''छायावादी कविता में राष्ट्रीय मुक्ति का स्वर अनुस्यूत है।'' इस कथन के आधार पर छायावादी काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

6. 'विभावानुभावव्यभिचारीभावसंयोगात् रसनिष्पत्तिः' का अर्थ स्पष्ट करते हुए रस सिद्धान्त के व्याख्याकारों के मतों का विवेचन कीजिए।

7. हिन्दी नाटक के विकास में मोहन राकेश के योगदान की चर्चा कीजिए।

8. समकालीन हिन्दी कविता पर भूमण्डलीकरण के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

9. किसी **एक** विषय पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए :

   (क) तुलसीदास की लोकदृष्टि

   (ख) केशव की संवाद-योजना

   (ग) घनानन्द की कविता का मूल स्वर

(घ) सुमित्रानन्दन पंत की कविता में प्रकृति

(ङ) हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री

(च) साहित्यिक पत्रों का महत्त्व

(छ) शिवमूर्ति की कहानियों का वैशिष्ट्य

अथवा

किसी **एक** रचनाकार के साहित्यिक अवदान का मूल्यांकन कीजिए :

(क) उपाध्याय बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(ख) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

(ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(घ) नागार्जुन

(ङ) श्रीकान्त वर्मा

(च) सुशीला टाकभौरे

(छ) रणेन्द्र

10. किसी **एक** आलोचनात्मक कृति की समीक्षा कीजिए :

(क) भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य

(ख) प्रसाद का काव्य

(ग) प्रेमचन्द और उनका युग

(घ) छायावाद

(ङ) प्रगतिवाद और समानान्तर साहित्य

(च) आधुनिक परिवेश और नवलेखन

(छ) कहानी : स्वरूप और संवेदना

(ज) नए साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

(झ) हिन्दी नाटक

(ञ) आलोचना का जनपक्ष

अथवा

किसी **एक** रचनात्मक कृति की समीक्षा कीजिए :

(क) यशोधरा

(ख) ध्रुवस्वामिनी

(ग) अपनी खबर

(घ) आवाँ

(ङ) पिंजरे की मैना

(च) कुइयाँजान

(छ) व्योमकेश दरवेश

(ज) अपने अपने पिंजरे

(झ) रेहन पर रग्घू

(ञ) सृष्टि पर पहरा

★ ★ ★